वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रमुख गतिविधियॉ।

* संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति का पुनर्गठन किया गया तथा इसकी बैठकें नियमित अंतराल पर प्रत्येक तिमाही में निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित की जाती हैं। जिसमें राजभाषा के प्रसार में हुई वृद्धि की समीक्षा की जाती है। तथा इसके प्रगामी प्रयोग को बढाने के उपाय पर चर्चा एवं निर्णय लिया जाता है।

* अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन नियमित रुप से प्रत्येक तिमाही में आयोजित की जाती है। जिसमें विषय विशेषज्ञ को आमंत्रित किया जाता है।

* सितम्बर माह में हिंदी दिवस एवं हिंदी उत्सव मनाया गया । पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । विजेता प्रतिभागियों को समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री कैलाश चंद पंत, मंत्री संचालक मध्य प्रदेश हिंदी प्रचार सभा एवं प्रोफ़ेसर श्री ऋषिकेश टी कृष्णन, निदेशक भा.प्र.सं.इं के कर कमलों द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। संपूर्ण सितम्बर 2016 माह राजभाषा की विभिन्न गतिविधियों से भरा रहा।

* संस्थान में नगर राजभाषा कार्यान्वय समिति इंदौर की 65वीं बैठक का आयोजन किया अध्यक्ष , नराकास श्री एम एस पवॉर, आयकर आयुक्त की अध्यक्षता में दिनांक 03 फरवरी 2017 को आयोजित किया गया , जिसमें 61 कार्यालयों के 81 प्रधान/प्रशासनिक अधिकारी/राजभाषा अधिकारी/ प्रभारी तथा नोडल अधिकारी उपस्थित रहें। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार श्री हरेराम वाजपेयी सादर आमंत्रित थे। बैठक सरस्वती वंदना एवं गोवा की माननीय राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा द्वारा रचित गीत 'हिंदी भारत मॉ की बिंदी' की प्रस्तुति से प्रारंभ हुई। संस्थान की तरफ से श्री कमल किशोर जैन वरिष्ठ प्रोफ़सर एवं संकायाध्यक्ष (अकादमिक) ने समिति के कार्यकारिणी अध्यक्ष का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया । मंचासीन अन्य अतिथियों में श्री ओ पी मीणा, सदस्य आयकर अपीलीय अधिकरण इंदौर, कर्नल के.टी उडुपा (सेवानिवृत), मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भा.प्र.सं. इंदौर, डॉ. देवेश त्यागी, उपनिदेशक (राजभाषा) एवं सचिव नराकास उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संस्थान की प्रवेशांक हिंदी गृह पत्रिका 'ज्ञान शिखर' का विमोचन किया गया तथा इसके रचनाकारों को नगद मानदेय से पुरस्कृत किया गया।

* राजभाषा संबंधी विभिन्न गतिवियों को प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जाता है, जिससे राजभाषा का अधिक प्रचार-प्रसार हो सके।

*भारत सरकार, राजभाषा विभाग , गृह मंत्रालय द्वारा प्रदत्त वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सराहनीय प्रयास किया गया है। संस्थान में राजभाषा क्रियान्वय लगभग 80 प्रतिशत रहा। तिमाही प्रगति रिपोर्ट, राजभाषा के पोर्टल के माध्यम से राजभाषा क्षेत्रीय कार्यान्वयन कर्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को ऑन-लाइन भेजा जा रहा है।

* संस्थान में नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग नगद पुरस्कार योजना को लागू किया गया है । तथा इसे प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशाला में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः रु.1000/, रु.800/- एवं रु. 500/- नगद राशि के रूप में प्रदान की जाती है।

* संस्थान में राजभाषा नियमों एवं अधिनियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। संस्थान में राजभाषा के अधिकाधिक प्रयोग को बढाने में हम दृढ़ संकल्प है।